



Hargharpanditji

॥ श्री ब्रह्मा जी व्रत कथा ॥

जय जय कमलासन स्वामी

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री ब्रह्मा जी व्रत कथा ॥

प्राचीन समय की बात है। एक नगर में एक निर्धन ब्राह्मण अपनी पत्नी सहित रहता था। वह अत्यन्त धर्मात्मा और भगवान के भक्त थे, किन्तु घर में सदैव धन की कमी बनी रहती थी। अनेक प्रयासों के बाद भी उन्हें सफलता नहीं मिलती थी। दुःखी होकर ब्राह्मण प्रतिदिन ईश्वर से प्रार्थना करता था।

एक दिन एक महात्मा उनके घर आए। ब्राह्मण दम्पति ने श्रद्धा से उनकी सेवा की। उनकी भक्ति और विनम्रता देखकर महात्मा प्रसन्न हुए और बोले — “हे ब्राह्मण! तुम भगवान ब्रह्मा जी का व्रत और पूजन श्रद्धा से करो। ब्रह्मा जी सृष्टि के रचयिता हैं। उनकी कृपा से ज्ञान, बुद्धि, सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है।”

महात्मा के बताए अनुसार ब्राह्मण दम्पति ने गुरुवार के दिन स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण किए। घर में एक पवित्र स्थान पर भगवान ब्रह्मा जी की प्रतिमा स्थापित की। चन्दन, अक्षत, पुष्प, धूप, दीप और नैवेद्य अर्पित कर श्रद्धा से पूजा की तथा व्रत कथा सुनी।

कुछ समय बाद उनके जीवन में परिवर्तन आने लगा। घर की दरिद्रता दूर हुई, धन-धान्य बढ़ा और परिवार में सुख-शान्ति आने लगी। ब्राह्मण की विद्वता का यश दूर-दूर तक फैल गया। नगर के लोग उनका सम्मान करने लगे।

धीरे-धीरे यह बात पूरे नगर में फैल गई कि भगवान ब्रह्मा जी के व्रत और पूजा से मनुष्य के जीवन के कष्ट दूर होते हैं तथा ज्ञान और समृद्धि की प्राप्ति होती है। तब से श्रद्धालु भक्त ब्रह्मा जी का व्रत श्रद्धा और विश्वास के साथ करने लगे।

जो व्यक्ति श्रद्धा से ब्रह्मा जी का व्रत करता है, कथा सुनता है और आरती करता है, उसे विद्या, बुद्धि, यश तथा सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

॥ श्री ब्रह्मा जी व्रत कथा सम्पूर्ण ॥